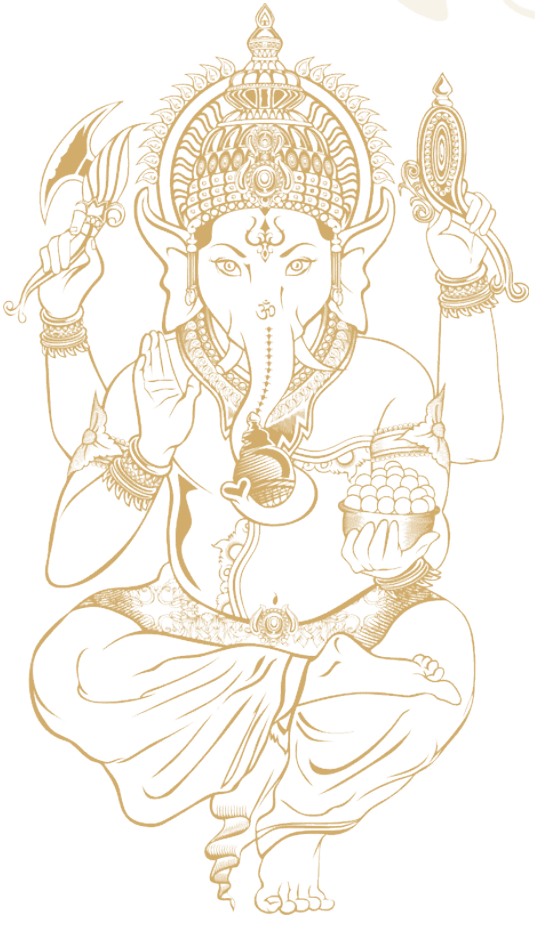

Raku

04 May 2023

10:59 AM

Mandi

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121496908

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**04/05/2023**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**10:59:00 घंटे**
इष्ट	13:30:51 घटी
स्थान	**Mandi**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:43:00 उत्तर
रेखांश	76:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:36:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:10 घंटे
साम्पातिक काल	01:24:16 घंटे
सूर्योदय	05:34:39 घंटे
सूर्यास्त	19:03:46 घंटे
दिनमान	13:29:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	19:20:00 मेष
लग्न के अंश	07:29:12 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सिद्धि
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रा-राखी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	07:29:12	302:00:51	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	---
सूर्य			मेष	19:20:00	00:58:09	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	उच्च राशि
चंद्र			तुला	00:53:36	13:00:19	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल			मिथु	26:35:48	00:33:11	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
बुध	व	अ	मेष	15:42:01	00:37:58	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	सम राशि
गुरु			मेष	02:54:56	00:14:09	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	02:05:41	01:06:37	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	मित्र राशि
शनि			कुंभ	11:27:07	00:04:06	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
राहु			मेष	09:53:07	00:00:17	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु			तुला	09:53:07	00:00:17	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
हर्ष			मेष	24:25:54	00:03:28	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
नेप			मीन	02:38:37	00:01:42	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
प्लूटो	व		मक	06:10:57	00:00:04	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			मीन	28:35:34	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:48

लग्न-चलित

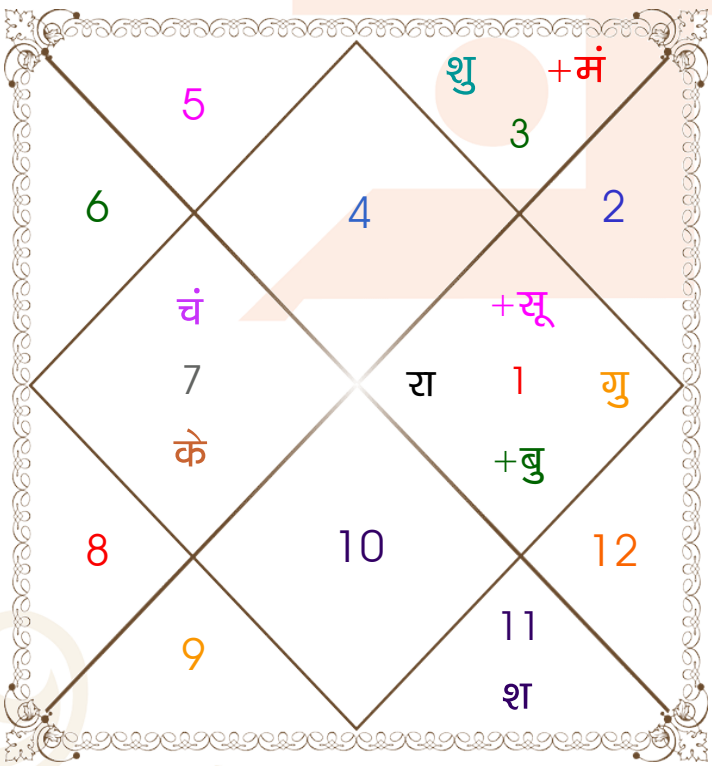

चन्द्र कुंडली

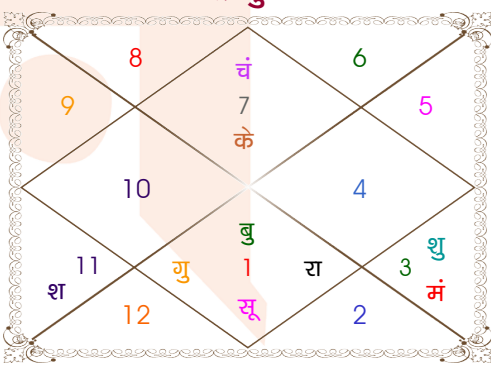

नवमांश कुंडली

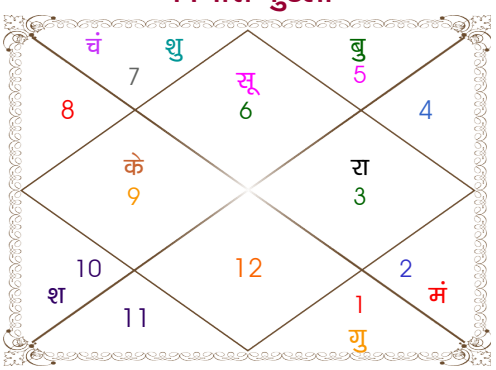

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 0 मास 11 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
04/05/2023		15/05/2026		15/05/2044		15/05/2060		15/05/2079	
15/05/2026		15/05/2044		15/05/2060		15/05/2079		15/05/2096	
	00/00/0000	राहु	25/01/2029	गुरु	03/07/2046	शनि	18/05/2063	बुध	11/10/2081
	00/00/0000	गुरु	21/06/2031	शनि	13/01/2049	बुध	25/01/2066	केतु	08/10/2082
	00/00/0000	शनि	27/04/2034	बुध	21/04/2051	केतु	06/03/2067	शुक्र	08/08/2085
	04/05/2023	बुध	13/11/2036	केतु	27/03/2052	शुक्र	06/05/2070	सूर्य	14/06/2086
बुध	11/11/2023	केतु	02/12/2037	शुक्र	26/11/2054	सूर्य	18/04/2071	चंद्र	14/11/2087
केतु	08/04/2024	शुक्र	01/12/2040	सूर्य	14/09/2055	चंद्र	16/11/2072	मंगल	10/11/2088
शुक्र	08/06/2025	सूर्य	26/10/2041	चंद्र	13/01/2057	मंगल	26/12/2073	राहु	31/05/2091
सूर्य	14/10/2025	चंद्र	27/04/2043	मंगल	20/12/2057	राहु	01/11/2076	गुरु	04/09/2093
चंद्र	15/05/2026	मंगल	15/05/2044	राहु	15/05/2060	गुरु	15/05/2079	शनि	15/05/2096

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
15/05/2096		16/05/2103		16/05/2123		16/05/2129		16/05/2139	
16/05/2103		16/05/2123		16/05/2129		16/05/2139		00/00/0000	
केतु	11/10/2096	शुक्र	15/09/2106	सूर्य	03/09/2123	चंद्र	16/03/2130	मंगल	12/10/2139
शुक्र	11/12/2097	सूर्य	15/09/2107	चंद्र	04/03/2124	मंगल	15/10/2130	राहु	30/10/2140
सूर्य	18/04/2098	चंद्र	16/05/2109	मंगल	09/07/2124	राहु	15/04/2132	गुरु	06/10/2141
चंद्र	17/11/2098	मंगल	16/07/2110	राहु	03/06/2125	गुरु	15/08/2133	शनि	15/11/2142
मंगल	15/04/2099	राहु	16/07/2113	गुरु	22/03/2126	शनि	16/03/2135	बुध	05/05/2143
राहु	03/05/2100	गुरु	16/03/2116	शनि	04/03/2127	बुध	15/08/2136		00/00/0000
गुरु	09/04/2101	शनि	16/05/2119	बुध	09/01/2128	केतु	16/03/2137		00/00/0000
शनि	19/05/2102	बुध	16/03/2122	केतु	16/05/2128	शुक्र	15/11/2138		00/00/0000
बुध	16/05/2103	केतु	16/05/2123	शुक्र	16/05/2129	सूर्य	16/05/2139		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 0 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि की कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति की आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगीं। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगी। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगी। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगी।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगी। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़ी भाग्यशाली होंगी।

आप गौरवर्ण की लम्बी दीर्घकाय महिला होंगी। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगी। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाली पेटू महिला हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपकी सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगी। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग की अनुगामी होंगी।

आप अपने पति के प्रति पूर्णतः समर्पित महिला है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करती हैं। आप निःसन्देह अपने पति से प्यार करती हैं। परन्तु आप बाहरी मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहती ताकि अपने पति के साथ कोई गलती न हो जाए। आपके

लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपने पति के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़के के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्व निर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होती हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकती हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।